Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

कान्हा रे तू राधा बन जा, भूल पुरुष का मान,
तब होगा तुझ को राधा की, पीड़ा का अनुमान रे,
कान्हा रे . . . कान्हा रे . . .

तू चंचल है तू क्या जाने नारी मन की बात,
क्यूँ रहती है राधा के दो नयनों में बरसात,
ओ कान्हा रे कान्हा रे . . .

तू ही जब यह पीड़ न जाना, फिर क्या तेरा ज्ञान,
तब होगा तुझ को राधा की,
पीड़ा का अनुमान रे,
कान्हा रे . . . कान्हा रे . . .

प्रेम दिवानी राधा को तू माखन से ना तौल,
राधा का मन टूट गया तो क्या होगा रे बोल,
ओ कान्हा रे कान्हा रे . . .

देर नही है तज दे कान्हा अपना ये अभिमान,
तब होगा तुझ को राधा की,
पीड़ा का अनुमान रे,
कान्हा रे . . . कान्हा रे . . .

तेरे कारण राधा का ये हाल हुआ रे श्याम,
राधा के अधरों पे रहता पल पल तेरा नाम,
ओ कान्हा रे कान्हा रे . . .

ऐसे तो न बन राधा के दुख से तू अंजान,
तब होगा तुझ को राधा की,
पीड़ा का अनुमान रे,
कान्हा रे . . . कान्हा रे . . .